मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–003

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम. ए. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.वी.एस.-003 : आरण्यक एवं उपनिषद्

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।* *4×15=60*

1. आरण्यक किसे कहते हैं ? तैत्तिरीय आरण्यक की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

2. बृहदारण्यक उपनिषद् के आधार पर संवादों का वर्णन कीजिए।

3. 'ईशावास्योपनिषद्' से प्राप्त शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।

4. कूष्माण्ड होम का वर्णन कीजिए।

5. आरण्यक साहित्य की विषय–वस्तु का वर्णन कीजिए।

6. पठित अंश के आधार पर उपनिषद् से प्राप्त शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।

7. तैत्तिरीय उपनिषद् की शिक्षावल्ली में आपने क्या पढ़ा है ? वर्णन कीजिए।

8. केनोपनिषद् की विषय–वस्तु का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 10 = 40$

1. पठित अंश के आधार पर प्राण विद्या के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

2. सूर्योपासना से आप क्या समझते हैं ? विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. पठित अंश के आधार सनत्कुमार–नारद संवाद का वर्णन कीजिए।

4. याज्ञवल्क्य और मैत्रेयी संवाद में आपने क्या पढ़ा है ? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

5. पठित अंश के आधार पर विद्या तथा अविद्या में अन्तर स्थापित करते हुए विस्तार से वर्णन कीजिए।

6. उपनिषद् साहित्य से हमें क्या प्राप्त होता है ? वर्णन कीजिए।

7. कठोपनिषद् का सारांश लिखिए।

8. नचिकेता द्वारा माँगे गये वरों का वर्णन कीजिए।

× × × × ×